23/05/2020

Subject - Pedagogy of Commerce
Topic - Principles of Curriculum Construction

B.Ed
Ist
Year

Continious topic

पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त

(10) सामुदायिक जीवन से सम्बन्ध का सिद्धान्त
(11) विस्मृति का सिद्धान्त
(12) आवश्यकता का सिद्धान्त
(13) व्यापकता का सिद्धान्त

वाणिज्य के वर्तमान पाठ्यक्रम के दोष

सन 1952 में मुदालियर कमीशन ने पाठ्यक्रम के अनेक दोषों का उल्लेख किया। इन दोषों मे से केवल वह दोष नही दिये जाते है, जो वाणिज्य के पाठ्यक्रम पर लागू होते है —

(1) वर्तमान पाठ्यक्रम संकुचित विचारधारा पर आधारित है।
(2) विषय - वस्तु का बाहुल्य है।
(3) वर्तमान पाठ्यक्रम अत्यन्त सैद्धान्तिक तथा पुस्तकीय है।
(4) इसमें परीक्षाओं को अत्याधिक महत्तव दिया गया है।
(5) इसका निर्माण व्यक्तिगत विभिन्नताओं के नियम पर आधारित नही
(6) पाठ्यक्रम मे जीवन के साथ सम्बन्धों का अभाव है।
(7) पाठ्यक्रम मे समन्वय की सम्भावनाओ का अभाव है,
(8) वर्तमान पाठ्यक्रम मे कोई पूर्व निर्धारित उद्देश्य नही है।
(9) पाठ्यक्रम जनतंत्र के सिद्धान्तो के अनुरूप नही है।
(10) पाठ्यक्रम क्रियाप्रधान नही है।
(11) वर्तमान पाठ्यक्रम का निर्माण, रुचि, विविधता, प्रेरणा के सिद्धान्तो को ध्यान मे रखकर नही किया गया।

Continue---

Scanned with CamScanner